

border areas of U.P. were being paid border Special Pay at par with the U.P. State employees.

This Special Pay which was being paid since 1-10-1961 was arbitrarily discontinued from 1-8-1969 causing severe hardship by way of reduction in total emoluments, pensionary benefits, gratuity etc. This reduction has been done despite solemn assurances given to staff in the year, 1961.

This Border Allowance was further reduced on 1-12-1975 causing serious hardships specially due to general inflation and price rise in view of the difficult terrain. Government should immediately undo this grave injustice as has been done recently for staff posted in North-Eastern region.

(ii) Cultural Programme on eve of "Ganesh Parva" in Memory of Maharaja Chakradhar Singh of Raigarh, M.P.

श्री केयूर भूषण (रायपुर) : सभापति महोदय, मध्य प्रदेश के रायगढ़ नगर का स्वतन्त्रता पूर्व के अन्धकार युग में भारतीय संस्कृति के संरक्षण में बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है। तत्कालीन शासक महाराजा चक्रधर सिंह, जो स्वयं एक विद्वान साहित्यकार, संगीत मर्मज्ञ एवं कलाप्रेमी थे, अपने जीवन काल में पूर्ण निष्ठा के साथ भारत की कला की प्रत्येक विधा को संरक्षण एवं प्रोत्साहन देते रहे।

लोक नृत्य से कथक नृत्य तक तथा लोक वाद्यों से आधुनिक वाद्य यंत्रों तक रायगढ़ में सुरक्षित रहे। देश के समस्त महान विद्वानों, साधकों तथा विद्यार्थियों को वहां अध्ययन की सुविधा उपलब्ध कराई जाती रही। परिणाम स्वरूप अनेक महान ग्रन्थों की रचना वहां हुई तथा अनेक कलाकारों का निर्माण हुआ, जो

भारत प्रसिद्ध हुए। उसी प्रकार देश के महान शास्त्रज्ञ एवं संगीतज्ञ उस स्थान में पहुँचते रहे और संरक्षण पाते रहे। कथक नृत्य के तो वे सूत्रक थे। उनके लिखे अनेक ग्रन्थ, जो पांडुलिपि के रूप में अभी भी उपलब्ध हैं, या उनके द्वारा लिखाए गए महान ग्रन्थ, सब धूल खाते यहां वहां पड़े हैं। उसी प्रकार उनकी रंगशाला और वहां की कलाकृतियां, जो देश के महान कलाकारों को आकर्षित कर रही हैं, जर्जर हो चली हैं।

इसलिए मैं सदन के माध्यम से शासन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ कि उस महान साधक की कर्मस्थली रायगढ़ की जो एक समय पूरे भारत की संस्कृति को संरक्षण देता रहा, रक्षा की जाए तथा उसकी पूर्व परम्परा को कायम रखने के लिए प्रतिवर्ष गणेश पर्व के अवसर पर सांस्कृतिक समारोह का आयोजन किया जाए, जिसके माध्यम से उस महान कलाकार की स्मृति को अक्षुण्ण रखा जा सके।

(iii) Need to withdraw certain acts which have resulted in closure of bricks manufacturing units leading to large scale unemployment.

SHRI RAM PYARE PANIKA (Robertsganj) : It is very unfortunate and of great concern that the All India Brick and Tiles Manufacturers' Federation has decided to stop the working of brick tiles in view of some central and State enactments applicable to the brick kilns recently resulting in the closure of 30,000 small scale units in India employing more than 50 lakhs ladless labourers. The brick and tiles industries which are run as rural industry employ substantially large work force. The operation in brick kilns is seasonal, they get employment for six months. There has been a